



राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

The Sixty-Year-Old Jet That Slipped Billion-Dollar...

The irony became impossible to ignore. The "museum jet" survived long enough to strike its target. America's advanced fighters did not

Writing his greatest work killed George Orwell

Cyrus The Great Won Through Strategy Not Destruction

‘जो पार्टी छोड़कर जाना चाहते हैं, जा सकते हैं’

तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी ने यह भी कहा, अब उनका पूरा फोकस पार्टी के नव निर्माण पर है

—जाल खंभाता—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 17 मई। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने शनिवार को तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि जो लोग पार्टी छोड़ना चाहते हैं, वे जा सकते हैं, क्योंकि अब उनका ध्यान पार्टी को पुनः बनाने पर है।

हालिया चुनाव में टीएमसी के हारने के बाद, पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने अपने उन उम्मीदवारों से अपील की, जिन्होंने हालिया विधानसभा चुनाव लड़ा था, कि वे संगठन को पुनर्निर्मित करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जो लोग पार्टी छोड़ना चाहते हैं, उन्हें जाने की पूरी स्वतंत्रता है।

शुरूवार को कालीघाट स्थित अपने निवास पर तृणमूल कांग्रेस के चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के साथ

- ममता बनर्जी ने विधानसभा चुनाव लड़ चुके सभी पार्टी प्रत्याशियों से संगठन को मजबूत बनाने का आग्रह किया
- अपने कालीघाट आवास पर पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं की मीटिंग में ममता बनर्जी ने पार्टी नेताओं से कहा, जिन पार्टी कार्यलयों को तोड़ा गया, उनकी मरम्मत करें, मैं खुद भी उनमें पेंट करूंगी। तृणमूल झुकेगी नहीं।

बैठक में, जिसमें पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी भी उपस्थित थे, ममता ने कहा कि हालिया विधानसभा चुनाव में भारी हार का सामना करने के बावजूद, संगठन फिर उठ खड़ा होगा।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, उन्होंने कहा, "जो लोग अन्य पार्टियों में जा रहे

हैं, उन्हें जाने दो। मैं पार्टी को नई ताकत के साथ पुनर्निर्मित करूंगी। जो रुक रहे हैं, उनसे कहती हूँ कि क्षतिग्रस्त पार्टी कार्यालयों को पुनः बनाएँ, पेंट करें और फिर से खोलें। जरूरत पड़े तो मैं भी उन्हें पेंट करूंगी। तृणमूल कांग्रेस कभी झुकेगी नहीं। जनता का जनदेश लूटा गया है।

ये टिप्पणियाँ उस समय आईं, जब टीएमसी को चुनाव नतीजों में नाटकीय उलटफेर के बाद राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी से विपक्ष की बेंच पर स्थानांतरित होना पड़ा।

राज्य की 294 विधानसभा सीटों में पार्टी केवल 80 सीटें जीत पाई। ममता बनर्जी स्वयं भवानीपुर से हार गईं, जिसे लंबे समय से उनका राजनीतिक गढ़ माना जाता रहा है।

टीएमसी ने 291 सीटों पर उम्मीदवार उतारे, जबकि दार्जिलिंग हिल्स की तीन सीटें अपने सहयोगी भारतीय गोरखा प्रजातांत्रिक मोर्चा (बीजीपीएम) को दी थीं, जिसके नेता अमित थापा हैं। इनमें केवल 80 उम्मीदवार विजयी हुए, जबकि 211 हारे, जिनमें कई दिग्गज नेता और मंत्री भी शामिल हैं।

गिरफ्तार पाकिस्तानी आतंकी ने श्रीनगर में हेयर ट्रांसप्लांट कराया था

नई दिल्ली, 17 मई। जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों और स्लीपर सेल नेटवर्क बनाने के इरादे से घुसे लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के एक पाकिस्तानी आतंकी को लेकर चौकाने वाला खुलासा सामने आया है। जांच एजेंसियों के अनुसार, आतंकी ने अपने मिशन के बीच न केवल गतिविधियाँ जारी रखीं, बल्कि उसने

- लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी मोहम्मद उस्मान जट का काम जम्मू-कश्मीर में आतंकी स्लीपर सेल तैयार करना था।

श्रीनगर में हेयर ट्रांसप्लांट भी कराया। मोहम्मद उस्मान जट, जिसे आतंकी नेटवर्क में 'चीनी' के नाम से जाना जाता है, को हाल ही में गिरफ्तार किया गया था। वह पाकिस्तान के लाहौर का रहने वाला है और प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का प्रशिक्षित सदस्य बताया जा रहा है।

जांच में सामने आया है कि कश्मीर में घुसपैट के बाद उसे वहां की जिंदगी (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रविवार को यूएई के एकमात्र परमाणु प्लांट पर ड्रोन हमला

हमले में किसी के हताहत होने तथा किसी भी प्रकार के रेडियोधर्मी रिसाव से साफ इनकार

दुबई, 17 मई। संयुक्त अरब अमीरात के बाराकाह परमाणु ऊर्जा संयंत्र को रविवार को एक ड्रोन हमले में निशाना बनाया गया। इस हमले के कारण संयंत्र की बाहरी सीमा पर स्थित एक इलेक्ट्रिकल जनरेटर में आग लग गई। इस घटना ने ईरान युद्ध में चल रहे अस्थिर संघर्ष विराम को एक बार फिर खतरे में डाल दिया है।

अबू धाबी के अधिकारियों ने बताया कि इस हमले की जिम्मेदारी अभी तक किसी भी संगठन ने नहीं ली है। हालाँकि, राहत की बात यह है कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। इसके साथ ही, किसी भी प्रकार के रेडियोधर्मी रिसाव की बात से भी साफ इनकार किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, इस हमले का सीधा शक ईरान पर गहरा गया है। ईरान पिछले कुछ दिनों

- 20 अरब डॉलर की लागत से वर्ष 2020 में बना बाराकाह परमाणु ऊर्जा संयंत्र यूएई की एक-चौथाई बिजली जरूरतों को पूरा करता है।
- हमले की जिम्मेदारी किसी राष्ट्र/संगठन ने नहीं ली है, लेकिन सीधा शक ईरान पर जा रहा है।

यूएई के परमाणु नियामक ने कहा कि इस आग से संयंत्र की सुरक्षा पर कोई असर नहीं पड़ा है। नियामक संस्था ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि सभी इकाइयाँ हमला की तरह सामान्य रूप से काम कर रही हैं। यूएई (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रणालियों और सैनिकों की मेजबानी की थी, जिससे ईरान बेहद नाराज है। दक्षिण कोरिया की मदद से निर्मित 20 अरब डॉलर का बाराकाह परमाणु ऊर्जा संयंत्र साल 2020 में चालू हुआ था। यह अरब प्रायद्वीप का पहला और एकमात्र परमाणु ऊर्जा संयंत्र है। यह संयंत्र यूएई की कुल बिजली जरूरतों का एक-चौथाई हिस्सा पूरा करने की क्षमता रखता है। इसके साथ ही, यह अरब दुनिया का पहला वाणिज्यिक परमाणु ऊर्जा संयंत्र भी है।

यूएई के परमाणु नियामक ने कहा कि इस आग से संयंत्र की सुरक्षा पर कोई असर नहीं पड़ा है। नियामक संस्था ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि सभी इकाइयाँ हमला की तरह सामान्य रूप से काम कर रही हैं। यूएई (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान में गर्मी बढ़ी, बाड़मेर 45.4 डिग्री पहुँचा

मौसम विभाग को आने वाले दिनों में राज्य का तापमान 44 से 46 डिग्री पहुँचने की आशंका

जयपुर, 17 मई। राजस्थान में एक बार फिर गर्मी ने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। प्रदेश के सात शहरों का अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया, जबकि आठ शहरों में रात का तापमान 30 डिग्री से अधिक रहा। मौसम विभाग ने आगामी एक सप्ताह तक प्रदेश में मौसम शुष्क रहने और कई क्षेत्रों में हीटवेव चलने की चेतावनी जारी की है।

मौसम विभाग के अनुसार, बाड़मेर 45.4 डिग्री सेल्सियस के साथ प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जबकि संगरिया में न्यूनतम तापमान 33.2 डिग्री दर्ज किया गया, जो सबसे गर्म रात रही। इसके अलावा, बीकानेर में 45 डिग्री, जैसलमेर में 44.9 डिग्री तथा वनस्थली, चित्तौड़गढ़, फलौदी और श्रीगंगानगर में अधिकतम तापमान 44 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया। रात के तापमान की बात करें तो संगरिया के अलावा, जालौर, फलौदी, बाड़मेर, कोटा, जैसलमेर, जोधपुर और चित्तौड़गढ़ में न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा।

मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर के

- राज्य में सात शहरों का तापमान 44 डिग्री से अधिक रहा। ये शहर हैं, बाड़मेर, संगरिया, बीकानेर, जैसलमेर, वनस्थली, चित्तौड़गढ़, फलौदी व श्रीगंगानगर। जयपुर में अधिकतम तापमान 42.9 डिग्री रहा।

निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि वर्तमान में राज्य के अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान 42 से 45 डिग्री के बीच बना हुआ है। आगामी दिनों में तापमान में दो से तीन डिग्री और बढ़ती होने की संभावना है। पश्चिमी राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में अधिकतम तापमान 44 से 46 डिग्री तक पहुँच सकता है और

सुप्रीम कोर्ट में 38 जज होंगे

नई दिल्ली, 17 मई। देश की सर्वोच्च अदालत में लंबित मुकदमों के बोझ को कम करने के लिए सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने के लिए एक नया अध्यादेश जारी

कहीं-कहीं हीटवेव चल सकती है। उन्होंने बताया कि पूर्वी राजस्थान में भी अधिकतम तापमान 42 से 45 डिग्री के बीच रहने और कुछ क्षेत्रों में लू चलने की संभावना है। राज्य के पश्चिमी और उत्तरी हिस्सों में 18 से 22 मई के दौरान 20 से 30 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज सतही हवाएँ चलने का अनुमान है।

गोधेनबर्ग शहर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी को यह सम्मान प्रदान किया गया। इस मौके पर स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टरसन समेत कई सीनियर नेता मौजूद रहे। यह मोदी को मिलने वाला 31वाँ अंतरराष्ट्रीय सम्मान है।

स्वीडन के प्रधानमंत्री ने कहा कि (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- वे स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टरसन से मुलाकात करेंगे।

करने गोधेनबर्ग एयरपोर्ट पर पहुँचे थे। वहीं पीएम मोदी को स्वीडन में 'रॉयल ऑर्डर ऑफ पोलर स्टार कमांडर ग्रेड क्रॉस' सम्मान से सम्मानित किया गया है। यह किसी भी देश के प्रधानमंत्री या सरकार प्रमुख को दिया जाने वाला स्वीडन का सर्वोच्च सम्मान है।

गोधेनबर्ग शहर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी को यह सम्मान प्रदान किया गया। इस मौके पर स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टरसन समेत कई सीनियर नेता मौजूद रहे। यह मोदी को मिलने वाला 31वाँ अंतरराष्ट्रीय सम्मान है।

स्वीडन के प्रधानमंत्री ने कहा कि (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सतीशन के शपथ ग्रहण समारोह में आज एक लाख लोग शामिल होंगे

तिरुवनंतपुरम के सैन्ट्रल स्टेडियम में होने वाले समारोह में पूरा मंत्रिमंडल शपथ ले सकता है

नई दिल्ली, 17 मई। सतीशन दामोदर मेनन वडस्सेरी (वीडी सतीशन) सोमवार को केरल के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। इसके साथ ही राज्य की सत्ता में कांग्रेस की वापसी होने जा रही है। इससे पहले वर्ष 2011-2016 तक कांग्रेस के ओमन चांडी राज्य के मुख्यमंत्री रहे थे। शपथ ग्रहण समारोह सेंट्रल स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा।

राजधानी तिरुवनंतपुरम में समारोह की तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं। वीडि सतीशन के साथ पूरा मंत्रिमंडल शपथ ले लेगा। सतीशन ने प्रस्तावित 21 सदस्यीय मंत्रिमंडल तैयार कर लिया है। इसमें पांच मंत्री मंत्रिमंडल शपथ ले लेंगे। तीन महिलाएँ भी शामिल की गई हैं। सतीशन ने रविवार को राज्यपाल राजेंद्र अल्लेंकर से मुलाकात कर मंत्रियों की सूची सौंपी।

इन मंत्रियों में रमेश चेन्नितला, केरल प्रदेश कांग्रेस समिति

- केरलम में कांग्रेस की सरकार दस साल बाद बनी है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी तथा कर्नाटक व तेलंगाना के मुख्यमंत्री भी समारोह में उपस्थित रहेंगे।

(केपीसीसी) प्रमुख सनी जोसेफ और के मुरलीधरन शामिल हैं। सतीशन ने कहा कि तिरुवंचूर राष्ट्राध्यक्ष निरंजन शंकर और शनिमोल उस्मान उपाध्यक्ष होंगे। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि मुख्य सचेतक (चीफ व्हिप) केरल कांग्रेस के पीजे जोसेफ होंगे। शपथ ग्रहण समारोह में करीब एक लाख लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। कांग्रेस इसे एक बड़े राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन के रूप में भी देख रही है। कार्यक्रम में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तथा कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्ढा के शामिल होने की संभावना है। इसके अलावा कर्नाटक

और तेलंगाना के मुख्यमंत्री भी समारोह में मौजूद रहेंगे।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री पद को लेकर पिछले लगभग दस दिनों से दिल्ली और केरल में लगातार राजनीतिक मंथन चल रहा था। अंततः कांग्रेस आलाकमान ने वीडि सतीशन के नाम पर सहमति बनाई। निष्पक्षिक दौर तब शुरू हुआ, जब केसी वेणुगोपाल को दिल्ली स्थित राहुल गांधी के आवास पर बुलाया गया। सूत्रों के अनुसार, करीब तीन घंटे चली बैठक में राहुल गांधी ने उन्हें नेतृत्व के अंतिम फैसले की जानकारी दी और सतीशन के नाम पर मुहर लगाई।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, वीडि सतीशन की साफ-

सुधरी छवि, प्रभावशाली वक्तृत्व शैली और मजबूत संगठनात्मक क्षमता ने उन्हें राज्य की राजनीति में अलग पहचान दिलाई है। विपक्ष के नेता के रूप में भी उन्होंने कई मुद्दों पर सरकार को घेर और जनता के बीच सक्रिय उपस्थिति बनाए रखी। यही कारण है कि उन्हें एक जमीनी और प्रभावशाली नेता के रूप में देखा जाता है।

राजनीति के जानकारों का मानना है कि नई सरकार के शुरुआती सौ दिनों बेहद अहम होंगे। इसी दौरान सरकार की प्रशासनिक क्षमता, निर्णय लेने की शैली और जनता से किए गए वादों को पूरा करने की दिशा स्पष्ट होंगी।

सीएनजी की कीमत एक रुपया और बढ़ी

नई दिल्ली, 17 मई। दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) की कीमतों में तीन दिन के भीतर दूसरी बार बढ़ोतरी की गई है। नई दरें रविवार

- एनसीआर क्षेत्र में तीन दिन में दूसरी बार सीएनजी की दर बढ़ी है।

से लागू हो गई है। ताजा बढ़ोतरी के बाद, दिल्ली में सीएनजी एक रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इससे पहले 15 मई को गैस के प्रति किलोग्राम की वृद्धि की थी। लगातार दूसरी बढ़ोतरी के साथ तीन दिनों में सीएनजी कुल तीन रुपये प्रति किलोग्राम महंगी हो चुकी है।

इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) द्वारा जारी नई दरों के अनुसार, नोएडा और गाजियाबाद में सीएनजी की कीमत बढ़ कर 88.70 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। वहीं, मुंबई में सीएनजी लगभग 84 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर बिक रही है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी तीन रुपये प्रति लीटर तक की वृद्धि हुई थी।

राजस्थान यूनिवर्सिटी में छात्रसंघ चुनाव करवाने के लिए वाइस चांसलर और डीन को दी गई जिम्मेदारियों पर रोक

- बताया जा रहा है कि छोटी सरवन के जुनाखेडी गौ व अर्जुन सिंह ने पारिवारिक विवाद के बाद फांसी लगाई है।

अर्जुन को दो पुत्र और दो पुत्रियाँ हैं। एक बेटा इंजीनियर है तो एक बेटी नर्सिंग कर रही है। चोट के संबंध में चिकित्सकों का कहना है कि शरीर पर हल्की चोट के निशान थे, जो संभवतः फंदे से लटककर आत्महत्या करने के दौरान हुई तड़प से लगे हैं। इधर दानपुर थानाधिकारी हत्तीचंद ने बताया कि अर्जुन सिंह के बेटे अभिमन्यु ने मृतक के शरीर पर खून के दाग होने से मौत के कारणों की जांच करवाने की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

जयपुर, 17 मई (कास)। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने राजस्थान यूनिवर्सिटी में छात्रसंघ चुनाव को लेकर एकलपिठ द्वारा दिए गए कई निर्देशों पर अंतरिम रोक लगाई है। न्यायाधीश सुदेश बंसल और न्यायाधीश मनीष शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश राज्य सरकार की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए। इस मामले में सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद पैरवी के लिए पेश हुए थे। उल्लेखनीय है कि न्यायाधीश समीर जैन की एकलपिठ ने 12 दिसंबर 2025 को अपने आदेश में कहा था कि, विश्वविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव करवाना, विद्यार्थियों में लोकतंत्र के प्रति विश्वास को बढ़ाने तथा सामाजिक दायित्व से रूबरू करवाने में महत्वपूर्ण है। चुनाव की प्रक्रिया यह विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र के साथ, "हाथ से हाथ मिलाकर" चलनी चाहिए, क्योंकि चुनाव की प्रक्रिया तथा लोकतंत्र के प्रति जागरूकता भी शिक्षा का ही हिस्सा है। एकलपिठ ने अपने आदेश में यह भी टिप्पणी की थी कि चूँकि केवल 5 ही छात्र चुनाव कराने के लिए अदालत के समक्ष आए हैं, इसलिए यह नहीं माना जा सकता कि प्रदेश में लाखों छात्रों के हित को देखते हुए यह जनहित याचिका दायर की गई है। अदालत ने यह भी कहा कि छात्रसंघ चुनाव करवाना संवैधानिक अधिकार नहीं है, परंतु एक विधिक अधिकार है, जिसे लागू करवाने के लिए छात्र यूनिवर्सिटी के उच्चस्तरीय अधिकारियों को शिक्षायत दर्ज करवा सकते हैं।

- अदालत ने कहा कि एक तरफ तो एकलपिठ ने छात्रसंघ चुनाव करवाने की गुहार को अस्वीकार किया है, परंतु दूसरी ओर याचिका में की गई गुहार और मांगों से बढ़कर अन्य निर्देश दे दिए हैं, जिन पर अंतरिम रोक रहेगी।
- ज्ञात रहे कि एकलपिठ ने अपने आदेश में 19 जनवरी 2026 को सुबह 11 बजे तक समय निर्धारित करते हुए आपत्ति सुनने तथा 15 दिन के भीतर उन पर निर्णय करने के निर्देश दिए थे।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने एकलपिठ को तर्क दिया था कि, प्रदेश में 28 राज्योपिठित विश्वविद्यालय, 53 निजी यूनिवर्सिटी तथा 596 सरकारी कॉलेज हैं। अकेले राजस्थान यूनिवर्सिटी, जयपुर में ही 26500 विद्यार्थी

अध्ययनरत हैं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए आदेशों की पालना करना कि अकादमिक सत्र शुरू होने के 6-8 सप्ताह के बीच छात्रसंघ चुनाव करवाना अनौपचारिक ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित करने जैसा है।

साथ ही यह भी कहा था कि डीन अथवा उपकुलपति के स्तर पर होने वाले इस निर्णय से कॉलेजों व संबंधित पक्षकारों को अवगत कराया जाए। एकलपिठ ने कहा था कि, ये निर्देश इस उद्देश्य से दिए जा रहे हैं, ताकि छात्रसंघ चुनाव में पारदर्शिता बनी रहे। साथ ही भविष्य में इसकी पालना सुनिश्चित हो। इस पूरे प्रकरण में हाईकोर्ट में न्यायाधीश सुदेश बंसल और न्यायाधीश मनीष शर्मा की खंडपीठ ने एकलपिठ द्वारा दिए गए निर्देशों पर अंतरिम रोक लगा दी है। खंडपीठ ने कहा है कि एक तरफ एकलपिठ ने छात्रसंघ चुनाव करवाने की गुहार को अस्वीकार किया है, परंतु दूसरी ओर जनहित याचिका में भी निर्देश दे दिए हैं, जिन पर अंतरिम रोक रहेगी।

राजधानी एक्सप्रेस में आग लगी, स्टाफ ने खुद झुलसकर 75 यात्रियों को बचाया

एमपी के रतलाम में कोटा रेल मंडल के विक्रमगढ़ आलोट-लूणी रीछा स्टेशनों के बीच हादसा हुआ

कोटा, (निर्स)। मध्यप्रदेश के रतलाम जिले में कोटा रेल मंडल के विक्रमगढ़ आलोट और लूणी रीछा स्टेशनों के बीच रविवार सुबह यहाँ से गुजर रही ट्रेन नंबर 12431 त्रिवेंद्रम-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस में अचानक भीषण आग लग गई। यह दर्दनाक घटना सुबह करीब 5.15 बजे बीच हुई। ट्रेन का थर्ड एसी और एएसएलआर कोच जलकर पूरी तरह खाक हो गए। आसमान में उठती आग की लपटों को देखकर इलाके में हड़कंप मच गया।

कोटा रेल मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने पूरे मामले की जानकारी देते हुए बताया कि ट्रेन में लगा ऑटोमेटिक फॉयर डिटेक्शन एंड अलार्म सिस्टम कामयाब रहा, जिसकी वजह से आग लगने की सूचना मिलते ही ट्रेन अपने आप खड़ी हो गई और बड़ा हादसा टल गया। ट्रेन में जैन अरुण कुमार (बड़ोदरा मुख्यालय) ने तुरंत कंट्रोल रूम को सूचना दी कि एक कोच में ऑटोमेटिक फॉयर डिटेक्शन एंड अलार्म सिस्टम अलार्म बज रहा है। ट्रेन रुकते ही उन्होंने धुआं देखा और बिना समय गंवाए यात्रियों को बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी। अरुण कुमार ने बताया कि उनका वॉकी-टॉकी, पैन, कपड़े और अन्य सामान तक जल गया, लेकिन



ट्रेन का थर्ड एसी और एएसएलआर कोच जलकर पूरी तरह खाक हो गए।

उन्होंने हिम्मत नहीं हारी।

उन्होंने कहा कि ऑटोमेटिक फायर डिटेक्शन एंड अलार्म सिस्टम स्मोक अलार्म की तरह काम करता है और ट्रेन को तुरंत रोक देता है अगर यह सिस्टम न होता तो स्थिति बहुत गंभीर हो सकती थी। ट्रेन स्टॉप ने कुल 70 से 75 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला, जिनमें कई महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। आग प्रभावित कोच को बाकी ट्रेन से अलग कर दिया गया और गैप बनाकर आग को आगे फैलने से रोका गया। इस दौरान स्टॉफ सदस्य

विमलेश और रविंद्र कुमार खुद बुरी तरह झुलस गए। उनके शरीर पर कई जगह फफोले पड़ गए हैं। सीनियर डीसीएम जैन ने बताया कि कंट्रोल के जरिए फॉयर की सूचना दी गई। इसमें फायर फ्राइटिंग टीम और लोकल अथॉरिटी शामिल है। सभी को मोबिलाइज किया गया। उसके बाद सभी ने कॉ-ऑर्डिनेशन बनाते हुए कार्रवाई की और आग पर काबू पाया है। आग बुझाने के लिए तीन जगह से दमकल की गाड़ियां मंगाई गईं। रतलाम, चौमहला और विक्रमगढ़

आलोट से दमकल पहुंची थी। कोटा से भी डीजल इंजन भेजा गया और ट्रेन में डीजल इंजन अटैच किया गया। घटनास्थल पर लगभग पहुंचना काफी मुश्किल था, लेकिन टेक्नोलॉजी की मदद से लो हे लोकेशन मॉनिटरिंग सभी वहां पहुंचे। सीनियर डीसीएम सौरभ जैन ने बताया कि मौके पर रतलाम डीआरएम और अन्य अधिकारी पहुंच गए थे। कोटा से भी एडीआरएम और अन्य अधिकारी पहुंचे थे। कोटा डीआरएम अनिल कालरा और शेष वरिष्ठ अधिकारी कंट्रोल रूम

त्रिवेंद्रम-निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस में आग लगने के बाद ऑटोमेटिक फॉयर डिटेक्शन एंड अलार्म सिस्टम और स्टॉफ की बहादुरी से यात्रियों को सुरक्षित बचाया

पहुंच गए थे। रतलाम से भी मदद दी गई और स्पेशल ट्रेन आई थी। ट्रेन को सुबह 9.48 पर कोटा के लिए रवाना किया गया था। इसके बाद ट्रेन को रोका गया है और डीजल इंजन को पीछे लगाया गया।

सीनियर डीसीएम का कहना है कि यात्रियों को पूरी मदद दी गई है। ट्रेन के बी-4 कोच में सवार एक यात्री को मेडिकल इमरजेंसी होने पर चिकित्सकीय मदद भी उपलब्ध कराई गई। कोटा स्टेशन पर पहले से एक पूरा कोच तैयार रखा गया था जिसे जोड़कर सभी यात्रियों को दिल्ली के लिए रवाना कर दिया गया। ट्रेन के कोटा पहुंचने पर यात्रियों ने हंगामा कर दिया। उन्होंने कहा कि उनका सारा सामान जल गया है। जिसका मुआवजा उन्हें दिया जाए।

भीलवाड़ा में निवेश के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

भीलवाड़ा, (निर्स)। जिला सायबर थाना पुलिस ने शेयर बाजार और आईपीओ में निवेश के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने वाले एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले में एक आरोपी आदित्य कुमार को गुरुग्राम, हरियाणा से गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी के बैंक खातों को फ्रीज करवा दिया है, जिनमें करीब साढ़े 28 लाख रुपये की राशि जाम की गई है।

मामले के अनुसार, 13 अप्रैल को भीलवाड़ा निवासी एक पीडित ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीडित को आरोपियों ने खुद को सेबी रजिस्टर्ड बताकर कोटक सिक्योरिटीज प्राइवेट मार्केट ट्रेडिंग से जुड़े व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा। इसके बाद आईपीओ और शेयर ट्रेडिंग में भारी मुनाफे का झांसा देकर विश्वास में लिया गया। आरोपियों ने फर्जी मोबाइल ऐप के जरिए पीडित पर मानसिक दबाव बनाया और 25 फरवरी से 30 मार्च के बीच पीडित व उसके परिवार के बैंक

- गुरुग्राम से पूर्व बैंककर्मी गिरफ्तार, आरोपी के बैंक खातों को फ्रीज करवाया
- पीडित को आरोपियों ने आईपीओ और शेयर ट्रेडिंग में भारी मुनाफे का झांसा दिया

खातों से कुल 26,98,000 रुपये अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करवा लिए। बाद में पीडित को सहमति के बिना ही एक कंपनी के शेयर आवंटित दिखाकर और रुपये की मांग की जाने लगी। ठगी का अहसास होने पर पीडित ने सायबर थाने में मामला दर्ज कराया। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के आदेशानुसार एक विशेष टीम का गठन किया गया। यह टीम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (त्वरित अनुसंधान एवं निस्तरण दल) हेमंत नौगिया के निदेशन और साइबर थानाधिकारी आयुष श्रोत्रिय के निकटतम सुपरविजन में सायबर थाना पुलिस निरीक्षक रामशरण के नेतृत्व में बनाई गई। पुलिस

टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच करते हुए संदिग्धों की पहचान की और गुरुग्राम में दबिश देकर आरोपी आदित्य कुमार (21) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी पूर्व में बैंक कर्मचारी रह चुका है, जिसके कारण वह बैंकिंग सिस्टम की कमियों से अच्छी तरह वाकिफ था। इस हाईटेक ठगी का खुलासा करने वाली टीम में रामशरण पुलिस निरीक्षक, सायबर थाना भीलवाड़ा अनुसंधान अधिकारी, बाबुलाल कांस्टेबल, प्रधुराम कांस्टेबल शामिल रहे। पुलिस अब आरोपी से कड़ाई से पूछताछ कर रही है, ताकि गिरोह के अन्य सदस्यों और देशव्यापी नेटवर्क का खुलासा किया जा सके।

14 साल से फरार इनामी डकैत शंकरनाथ बूंदी से गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निर्स)। जिला पुलिस ने वांछित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे धरपकड़ अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस थाना बिजौलियां ने डकैती के मामले में पिछले 14 वर्षों से फरार चल रहे पांच हजार के इनामी वारंटी शंकरनाथ को गिरफ्तार किया है। आरोपी अपनी पहचान छुपाकर और लगातार ठिकाने बदलकर पुलिस को चकमा दे रहा था।

जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के आदेशानुसार जिले में आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण व फरार अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) पारस जैन के निदेशन एवं वृत्ताधिकारी माण्डलगढ़

- आरोपी अपनी पहचान छुपाकर और लगातार ठिकाने बदलकर पुलिस को चकमा दे रहा था

बाबुलाल विरनोई के निकटतम सुपरविजन में एक विशेष टीम का गठन किया गया था। इस टीम का नेतृत्व बिजौलियां थानाधिकारी स्वागत पाण्डेय कर रहे थे। पुलिस के अनुसार, आरोपी शंकरलाल उर्फ शंकरिया पुत्र मोहननाथ कालबेलिया निवासी बेबडिया, थाना डाबी, जिला बूंदी हाल किशनखेड़ी, थाना खानपुर, जिला

झालावाड़ डकैती के एक मामले में करीब 14 साल से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी पर जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा इनाम घोषित था। आरोपी झालावाड़ में अपना निवास स्थान बदलकर रह रहा था। इस दौरान बिजौलियां थाना पुलिस को पुख्ता सूचना मिली कि इनामी बदमाश शंकरनाथ बूंदी जिले के तालेड़ा में अपने एक रिश्तेदार के पारिवारिक कार्यक्रम में आया हुआ है। सूचना की तत्पश्चात ही पुलिस टीम ने तुरंत तालेड़ा में दबिश दी और घेराबंदी कर आरोपी को दबोच लिया। पुलिस आरोपी से पुराने मामलों और फरारी के दौरान की गतिविधियों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

टोंक के खेत में करंट दौड़ने से पिता-पुत्र की मौत

करीब एक घंटे बाद जब मृतक की पत्नी खेत पर पहुंची तो घटना का पता लगा

टोंक, (निर्स)। नगरफोर्ट थाना क्षेत्र में खेत पर चारा काटते समय करंट लगने से पिता-पुत्र की मौत हो गई। करीब एक घंटे बाद जब मृतक की पत्नी खेत पर पहुंची तो घटना का पता लगा, जिसके बाद उसकी चिल्लाते की आवाज सुनकर ग्रामीण दौड़कर मौके पर पहुंचे तथा बिजली सप्लाई को तुरंत बंद करवाकर दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद एक ही चिता पर दोनों का अंतिम संस्कार किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगरफोर्ट निवासी बद्रीलाल गुर्जर और उनका छोटा बेटा रमेश गुर्जर दोनों रविवार सुबह पशुओं के लिए चारा लेने खेत (मानक जो का कुआं) पर गए थे। इसी दौरान ट्रांसफॉर्मर के पास चारा काटते समय मिट्टी में करंट फैल गया, जिसकी चपेट में आने से दोनों गंभीर रूप से झुलस गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

करीब एक घंटे बाद मृतक की पत्नी खेत पर चारा लेने पहुंची तो उसने पति और बेटे को जमीन पर बेसुध पड़ा देखा। चिल्लाते की आवाज सुनकर



नगरफोर्ट थाना क्षेत्र में खेत पर चारा काटते समय करंट लगने से पिता-पुत्र की मौत हो गई।

आसपास के खेतों में काम कर रहे ग्रामीण मौके पर पहुंचे।

ग्रामीणों ने तुरंत बिजली विभाग को सूचना देकर पास के ट्रांसफॉर्मर से बिजली सप्लाई बंद करवाई और पुलिस को घटना की जानकारी दी। इसके बाद दोनों का अंतिम संस्कार

दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नगरफोर्ट अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिवारों को सौंप दिए गए, जिसके बाद दोनों का अंतिम संस्कार एक ही चिता पर किया गया।

पिकअप और बाइक की टक्कर में युवक की मौत

डूंगरपुर, (निर्स)। धंबोला थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। भादर डूंगरा फला में एक पिकअप और बाइक के बीच टक्कर हुई, जिसमें युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

मृतक की पहचान भीलवा पंचेला निवासी दशरथ पुत्र भगवान लाल रोत के रूप में हुई है। दशरथ अपनी बाइक से ससुराल बांसिया जा रहे थे। डूंगरा फला के पास सामने से आ रही एक पिकअप से उनकी बाइक की टक्कर हो गई। इस हादसे में दशरथ के सिर में गंभीर चोट आई, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही बारातियों ने पत्थर से हमला कर युवक की हत्या की

उदयपुर, (कासं)। बारातियों ने पत्थर से हमला कर युवक की हत्या कर दी। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। प्रकरण के अनुसार 15 मई को डूंगरपुर जिले के देवल गांव से मसारां की ओवरी ऋषभदेव गांव में बारात आई थी। रात में रोड़ के बीच कार खड़ी होने पर बाइक चालक मसारां की ओवरी निवासी दिनेश (19) पुत्र राजकुमार ने एतसरत किया था। इस पर कार में सवार बदमाशों ने पत्थर से हमला कर उसे

घायल कर दिया। इसका पता चलने पर परिजन उसे चिकित्सालय ले गए जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस पर रविवार को ऋषभदेव थानाधिकारी हेमंत अहारी ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिवारों को सौंपा। इस मामले में पुलिस ने राजकुमार पुत्र चतुरा डामोर निवासी मसारां की ओवरी की रिपोर्ट पर आरोपी प्रितम निवासी खांडी ओवरी खेचवाड़ा व साधियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू की।

बालोतरा में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो पलटी, एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

जसोल थाना क्षेत्र में आसोतरा के पास भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर हुआ हादसा



पुलिस टीम ने मौके पर जाकर घटना की जानकारी ली।

बालोतरा, (निर्स)। जिले के जसोल थाना क्षेत्र में आसोतरा के पास भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर रविवार दोपहर दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे एक ही परिवार के तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार गुजरात के मेहसाणा जिले के थावर निवासी परिवार बाबा रामदेवजी के दर्शन के लिए रामदेवरा

- हादसे में तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए, अस्पताल में भर्ती करवाया
- गुजरात के मेहसाणा जिले के थावर निवासी परिवारजन कार से रामदेवरा जा रहे थे

जा रहा था। इसी दौरान आसोतरा के पास तेज रफ्तार स्कॉर्पियो का संतुलन बिगड़ गया और वाहन कई पलटते हुए सड़क किनारे जा गिरा। हादसा इतना भीषण था कि स्कॉर्पियो के परखच्के उड़ गए और उसमें सवार लोग सड़क किनारे जा गिरा। हादसे में अजमल (35) पुत्र गणेशा,

नामूलम तथा हितेश भाई (32) पुत्र देवकरण भाई पटेल की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं अशोक भाई, कमलेश भाई और अजमल का बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को स्थानीय लोगों और राहगीरों की मदद से बालोतरा जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका



भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर हुये हादसे में कार पलटी खा गई।

उपचार जारी है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार स्कॉर्पियो तेज रफ्तार में थी और अचानक चालक का वाहन से नियंत्रण बिगड़ गया, जिसके बाद गाड़ी पलट गई। हादसे की सूचना मिलते ही जसोल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। मौके पर एएसपी रमेश कुमार, सिवाना डीएसपी देवारसिंह, डीटीओ भगवानाराम महलोत, जसोल थानाधिकारी शारदा विरनोई, थानाधिकारी चन्द्रसिंह, एएसआई जसुराम, बालोतरा

एएसआई वीरसिंह तथा डॉक्टर कमलेश चौधरी सहित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी पहुंचे। वहीं जनप्रतिनिधियों में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के युवा नेता थानसिंह डोली भी मौके पर पहुंचे और राहत कार्य में सहयोग करते हुए घायलों की कुशलक्षेम पूछी। पुलिस ने मृतकों के शव कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवाए हैं तथा परिजनों को सूचना दे दी है। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण तेज रफ्तार और वाहन का अनियंत्रित होना माना जा रहा है।

नाला खुदाई करते समय हुई घटना, इमरजेंसी टीम घटनास्थल पहुंची, स्थिति नियंत्रित



सूचना मिलते ही एस्केएन गैस कंपनी की इमरजेंसी टीम घटनास्थल पर पहुंची।

अलवर, (निर्स)। टपूकड़ा में निर्माणाधीन सिक्सपलेन हाईवे की खुदाई के दौरान रविवार दोपहर करीब 12:30 बजे गैस पाइपलाइन में रिसाव हो गया। जैसीबी मशीन से नाला खुदाई करते समय यह घटना हुई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पाइपलाइन से गैस का तेज रिसाव शुरू होते ही आसपास काम कर रहे मजदूर और स्थानीय लोग घबराकर सुरक्षित दूरी पर चले गए। सूचना मिलते ही एस्केएन गैस कंपनी की इमरजेंसी टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और त्वरित

- सूचना मिलते ही एस्केएन गैस कंपनी की इमरजेंसी टीम घटनास्थल पर पहुंची और गैस की आपूर्ति बंद कर दी

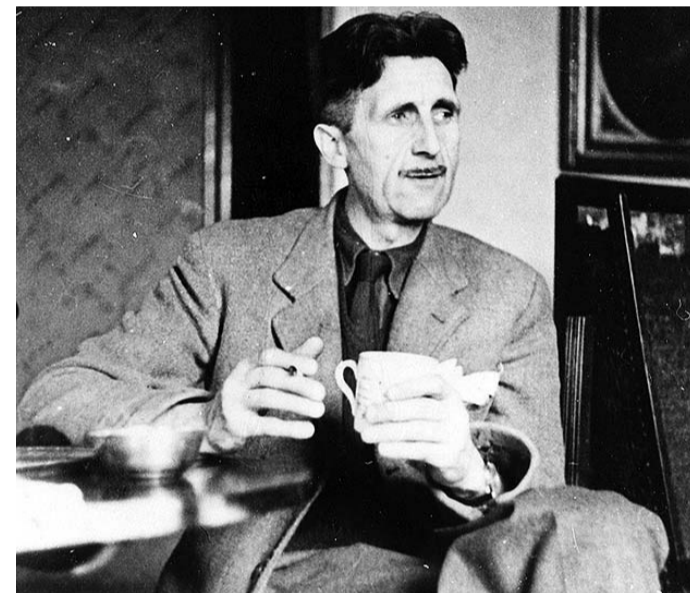
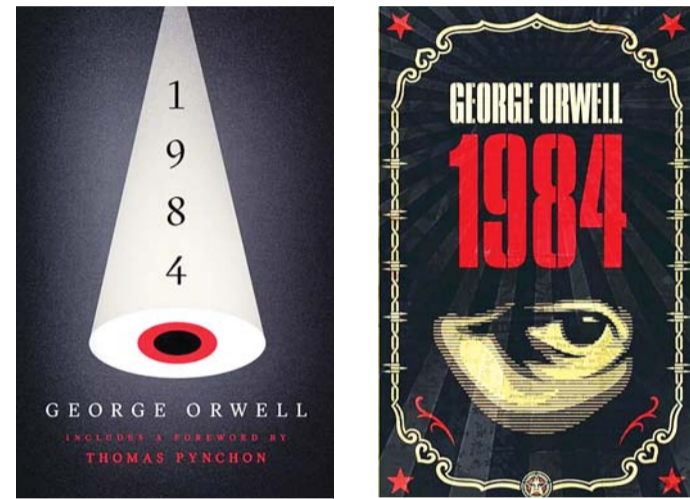
कार्रवाई करते हुए गैस की आपूर्ति बंद कर दी। हरियाणा गैस सिटी के इंजीनियर जयवीर ने बताया कि पीपेज की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से यह रिसाव

हुआ था। इसमें किसी भी प्रकार की आगजनी या जनहानि नहीं हुई है। फिलहाल, गैस कंपनी की टीम क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की मरम्मत का काम कर रही है। एहतियात के तौर पर आसपास के इलाके में लोगों की आवाजाही को सीमित कर दिया गया है। स्थानीय प्रशासन, पुलिस और संबंधित विभाग मौके पर स्थिति पर निगरानी रख रहे हैं। गैस कंपनी के अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि मरम्मत कार्य शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा और सामान्य गतिविधियां जल्द बहाल हो जाएगी।

#GREAT

Writing his greatest work killed George Orwell

"I have made all this money," he would tell his hospital visitors, "and now I am going to die." -Orwell



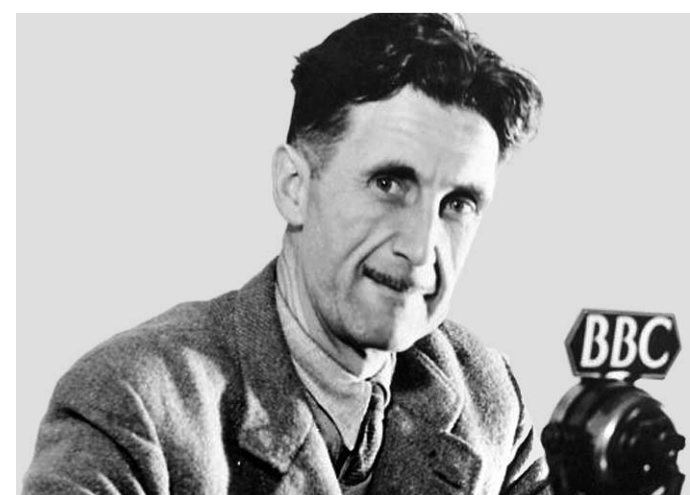
Orwell was widowed in 1945 and moved to the small island on the edge of the world to write his greatest novel. But he didn't think that at the time, in fact, he thought that this would be a commercial failure. Every other novel he had written had come quickly and was completed in under a year. But this, what would prove to be his final work, was years in the making. The idea came to him surveying Tehran conference of 1945, and the novel was slow to form in his writing and reading in the coming years.

In 1947, he retreated to remote Scottish island of Jura, rejected all offers of other works and resolved to finish the book. The previous winter had been one of the coldest in the memory and Orwell's health had been faltering. He knew he was running out of time. He hoped to have the draft finished by October but as he wrote and time went on, he became more and more frail, before it got so bad that he had to stop writing completely.

He had tuberculosis, and spent the next seven months in hospital. And fearing that he may not survive this, he told a friend that should he die, the unfinished manuscript should be destroyed. But he briefly recovered for long enough to return to Jura and finish the manuscript. And then because he couldn't convince a typist to make a journey to the remote island, Orwell typed the manuscript himself, hunched up in bed, chain smoking, next to a faltering heater. Nothing he could have done would have made his health worse.

On 4 of Dec, 1948, the job was done and the copies of the novel were sent to his publisher and agent. Having initially thought that he would call it *The Last Man in Europe*, he eventually settled for a different title, *Nineteen Eighty-Four*. His publishers were convinced that it would be a roaring success, but paper shortages after the second world war meant that they had to limit the number of copies they could print. So, while they thought they could have sold 50000 copies of the first edition, they only could print half the amount.

There was a palpable excitement for the reception of the book, they even brought the launch forward so that it didn't clash with Winston Churchill's new release. While all of this was going on, Orwell had been in hospital, in the Cotswolds and remained there for its publication. Sales of the book on both sides of the Atlantic made Orwell, for the first time in his life, a rich man. But the circumstances in which it was completed had taken their toll. "I have made all this money," he would tell his hospital visitors, "and now I am going to die." He was moved to room no. 65 of University College Hospital in London, where he would marry his second wife, Sonia. And he spent the months after that wedding, on 21 January, 1950.



● Bulbul Joshi

In the late 1950s, American engineers designed a small, cheap fighter aircraft that the United States itself never truly wanted for frontline dominance. It was simple, lightweight, inexpensive, and intentionally built for export to allied nations that could not afford America's most advanced jets.

That aircraft was the Northrop F-5 Tiger II. First conceived in 1959 and introduced during the early 1960s, the F-5 carried one of the characteristics associated with modern air warfare. It had no stealth capability, no GPS-guided strike systems, no sophisticated electronic warfare package, and no beyond-visual-range missile doctrine. Its pilot had to physically see an enemy aircraft before engaging. Its bombs were largely unguided. Its radar was limited. Analysts for decades dismissed it as obsolete and nearly suicidal in any modern battlefield environment.

The United States sold the fighter widely across the developing world, Vietnam, Thailand, Morocco, Iran, and others. It was viewed as a practical Cold War tool for friendly states, not as a centerpiece of American military power.

Yet in 2026, the very aircraft considered a museum relic would expose weaknesses inside the most expensive defense architecture ever constructed.

Iran's Forgotten Fleet

Iran acquired its F-5 fleet during the 1970s under the Shah, before the Islamic Revolution transformed relations with Washington. After

sanctions isolated Tehran for decades, most military observers assumed that the aircraft would eventually become unusable. But sanctions forced Iran towards self-reliance. Iranian engineers rebuilt aging systems domestically, improvised spare parts, modernized selected avionics where possible, and preserved operational capability far longer than Western analysts expected. While the United States invested in stealth fighters, satellites, AI-assisted targeting systems, and trillion-dollar defense ecosystems, Iran focused on adaptation under constraint. The result was not technological superiority. It was strategic unpredictability.

sanctions isolated Tehran for decades, most military observers assumed that the aircraft would eventually become unusable. But sanctions forced Iran towards self-reliance. Iranian engineers rebuilt aging systems domestically, improvised spare parts, modernized selected avionics where possible, and preserved operational capability far longer than Western analysts expected. While the United States invested in stealth fighters, satellites, AI-assisted targeting systems, and trillion-dollar defense ecosystems, Iran focused on adaptation under constraint. The result was not technological superiority. It was strategic unpredictability.

"Epic Fury" Begins According to the scenario, February 2026 marked the launch of "Epic Fury," a coordinated Israeli-American military operation against Iran. Washington believed that Iranian military infrastructure had already been severely weakened. Public confidence in American defensive systems remained absolute.

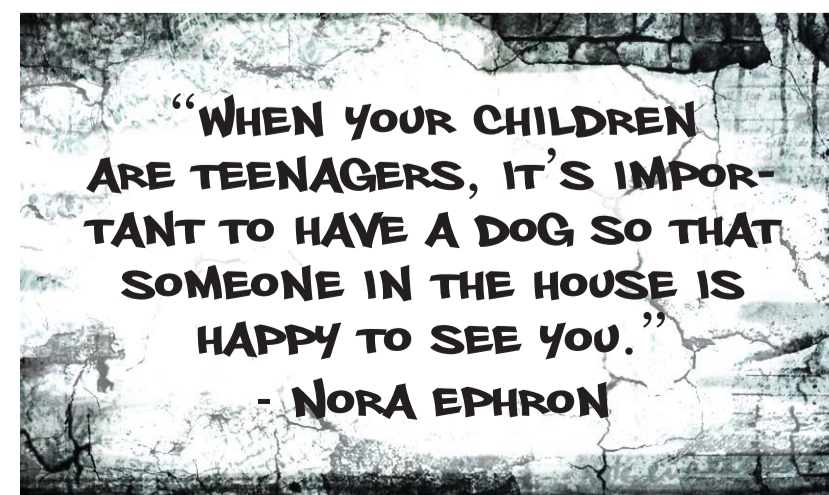
Across the Gulf region stood layers of integrated protection: Patriot missile batteries guarding major bases. THAAD systems designed for ballistic missile interception. Advanced radar arrays. Drones and aerial surveillance. Intelligence-sharing networks. Satellite monitoring systems. American officials projected certainty. Any retaliation, they claimed, would be intercepted. But every defense system is designed around assumptions. And one assumption proved catastrophic. The systems were optimized to detect threats coming from above.

Iranian planners understood this. Aging F-5 Tiger IIs flew barely 50 meters above the terrain, hugging the ground at high speed while coordinated waves of ballistic missiles and Shahed drones attacked across the wider region, Qatar, Bahrain, Saudi Arabia, Iraq, and Jordan. The objective was not precision elegance. It was saturation. Too many targets. Too many trajectories. Too many simultaneous descents.

Modern air defense systems can destroy extraordinary threats, but they still possess finite interceptor inventories, finite radar processing capability and finite human reaction time. Iranian tactics reportedly exploited all three.



THE WALL



#THE NORTHROP F-5 TIGER II



The Weakness in the Radar Horizon

Patriot missile systems are among the most advanced air defense technologies ever built. They are designed to detect and intercept aircraft, cruise missiles, and ballistic threats at significant ranges. But radar obeys the laws of physics. At extremely low altitude, terrain and the curvature of the Earth create blind zones. Radar line-of-sight becomes limited. Objects flying close to the ground can disappear beneath detection coverage until dangerously late.

Iranian planners understood this. Aging F-5 Tiger IIs flew barely 50 meters above the terrain, hugging the ground at high speed while coordinated waves of ballistic missiles and Shahed drones attacked across the wider region, Qatar, Bahrain, Saudi Arabia, Iraq, and Jordan. The objective was not precision elegance. It was saturation. Too many targets. Too many trajectories. Too many simultaneous descents.

Modern air defense systems can destroy extraordinary threats, but they still possess finite interceptor inventories, finite radar processing capability and finite human reaction time. Iranian tactics reportedly exploited all three.

Fuel infrastructure, ammunition storage areas, logistics facilities, and communication systems were reportedly hit. The symbolism was devastating: a sixty-year-old

BABY BLUES



A later assessment attributed to a major American defense think tank reportedly concluded that Iranian strikes hit more than 100 targets across 11 U.S. military bases in seven countries. Infrastructure was destroyed. Radar systems were damaged. Communication networks collapsed temporarily. Aircraft were lost or disabled. Repair costs alone reportedly exceeded billions of dollars. The Pentagon later acknowledged soaring operational expenses, with total war costs reaching staggering levels within months. Among the most shocking claims in this account was the destruction of a U.S. Air Force E-3 Sentry AWACS aircraft in Saudi Arabia, one of the most valuable airborne surveillance assets in existence.

The Sixty-Year-Old Jet That Slipped Billion-Dollar Shield Of America

seven countries. Infrastructure was destroyed. Radar systems were damaged. Communication networks collapsed temporarily. Aircraft were lost or disabled. Repair costs alone reportedly exceeded billions of dollars. The Pentagon later acknowledged soaring operational expenses, with total war costs reaching staggering levels within months. Among the most shocking claims in this account was the destruction of a U.S. Air Force E-3 Sentry AWACS aircraft in Saudi Arabia, one of the most valuable airborne surveillance assets in existence.

Military analysts struggled to explain how aging Cold War-era aircraft and relatively inexpensive drones had disrupted the most sophisticated military ecosystem in modern history.

The Satellite Blackout

Then another controversy emerged. According to the narrative, the White House contacted Planet Labs, a private American satellite imaging company, requesting suspension of public imagery publication covering affected military zones. Customers reportedly received notices restricting updated imagery access. Soon afterwards, publicly available satellite photos of damaged American facilities became difficult to obtain. Critics argued that the blackout was not meant to hide information from Iran. Iran already knew what it had struck. The blackout, they claimed, was intended to shield the scale of the damage from the American public itself. The New York Times reportedly published comparison imagery before access tightened, showing visible destruction across several installations. For many observers, the symbolism became profound: the United States had effectively blacked out the sky over its own bases.

Three American F-15 Strike Eagles were allegedly shot down over Kuwaiti territory by allied defensive systems. Six American pilots ejected over friendly territory after being mistakenly identified as hostile aircraft. The irony became impossible to ignore. The "museum jet" survived long enough to strike its target. America's advanced fighters did not.

Chaos in the Sky

As the attacks intensified, confusion spread across coalition airspace. Missile launches, drone swarms, electronic interference, and low-altitude penetrations created an environment of overwhelming complexity. Defensive systems struggled to distinguish threats from friendly aircraft in real time. According to narrative, American forces then suffered one of the war's most humiliating moments: friendly fire.

Three American F-15 Strike Eagles were allegedly shot down over Kuwaiti territory by allied defensive systems. Six American pilots ejected over friendly territory after being mistakenly identified as hostile aircraft. The irony became impossible to ignore. The "museum jet" survived long enough to strike its target. America's advanced fighters did not.

The Damage Assessment

A later assessment attributed to a major American defense think tank reportedly concluded that Iranian strikes hit more than 100 targets across 11 U.S. military bases in



Beyond Technology

The larger lesson of this scenario is not that old aircraft are superior to modern military systems. They are not. The F-5 Tiger II remains technologically primitive compared to fifth-generation fighters and modern integrated warfare networks.

But warfare has never been determined by technology alone. Again and again throughout history, militaries built around overwhelming technological confidence have discovered that strategy, timing, adaptability, and asymmetry can expose vulnerabilities that no amount of money can fully eliminate. Physics still governs radar. Human beings still make mistakes. And expensive systems can still become victims of their own assumptions.

The Final Image

America entered this conflict with unmatched military spending, advanced stealth technology, layered missile defense systems, satellite surveillance, and global logistical reach. Iran entered under sanctions, economic isolation, and technological limitations accumulated over forty years. Yet, the defining image of the war became impossible to erase. A sixty-year-old export fighter, dismissed for decades as obsolete, penetrated America's billion-dollar shield using little more than low-altitude flight, timing, and coordination. And in the confusion that followed, America's own defenses turned against its own aircraft. Not because the old jet was invincible. But because war has never belonged exclusively to the side with the most expensive machines.

these natural and man-made defenses to keep enemies out. Cyrus understood that a direct assault on Babylon's walls would be costly and unnecessary. Rather than attacking the fortifications, he chose to turn Babylon's greatest strength, the river, into its greatest weakness.

rajeshsharma1049@gmail.com

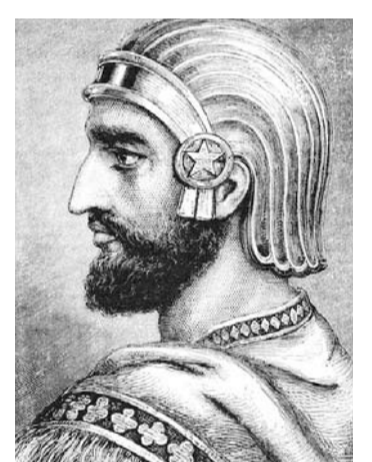
#THE CAPTURE OF BABYLON

Cyrus The Great Won Through Strategy Not Destruction

Cyrus employed a brilliant and unconventional strategy, the diversion of the Euphrates, to secure control with minimal resistance



The capture of Babylon in 539 BCE by Cyrus the Great, founder of the Achaemenid Persian Empire, stands as one of the most remarkable military achievements of the ancient world. Unlike many conquests of the time, Babylon did not fall through widespread slaughter or destruction. Instead, Cyrus employed a brilliant and unconventional strategy, the diversion of the Euphrates River, to enter the city peacefully and secure control with minimal resistance.



The River Diversion Strategy

According to ancient accounts, including those of Herodotus, Cyrus ordered his engineers to dig canals upstream from Babylon. These canals redirected the flow of the Euphrates into nearby marshlands and reservoirs. As a result, the river level inside the city dropped dramatically.

Once the water level was low enough, Persian soldiers were able to march along the riverbed, entering Babylon through the river gates that had been left unsecured. Because the city was reportedly celebrating a festival, resistance was minimal, and the Persians faced little opposition.

A Bloodless Capture

Unlike many ancient conquests, Babylon was taken without widespread violence or destruction. Temples, palaces, and homes remained intact. This approach preserved Babylon's economic and cultural importance and prevented rebellion among the population.

The method of entry itself symbolized Cyrus' leadership, favouring intelligence and patience over brute force.

Historical Significance

The capture of Babylon demonstrated that even the strongest cities could fall through engineering, planning, and psychological insight rather than destruction. Cyrus' method influenced future military thinking and set a precedent for strategic conquest.

The fall of Babylon marked the end of the Neo-Babylonian Empire and the rise of Persia as the dominant power in the ancient Near East, achieved not by burning the city, but by quietly stepping into it.



By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS



By Jerry Scott & Jim Borgman





नरेन गेंद और बल्ले, दोनों से ही एक जबरदस्त मैच विनर खिलाड़ी है। आईपीएल में कई बेहतरीन खिलाड़ी हुए हैं, लेकिन यह खिलाड़ी हमेशा सबसे अलग नजर आता है। मेरी नजर में वह इस लिस्ट में सबसे ऊपर है।
—अंबाती रायडू

पूर्व भारतीय बल्लेबाज, सुनील नरेन की गेंदबाजी को लेकर बोलते हुए।



खेल जगत

आज का खिलाडी



जाबी अलोंसो
स्पेन के पूर्व मिडफील्डर जाबी अलोंसो अब चेल्सी के नए मैनेजर होंगे, जिसके लिए चार साल का करार तय हुआ है। बायर लेवरकुसेन के साथ शानदार सफलता के बाद रियल मैड्रिड में एक संक्षिप्त कार्यकाल बिताने वाले अलोंसो के लिए यह एक नई शुरुआत होगी, जहाँ क्लब उनके अनुशासित

राष्ट्रदूत जयपुर, 18 मई, 2026 7
क्या आप जानते हैं?... गुरप्रीत सिंह संधू को वर्तमान समय का सबसे सफल भारतीय गोलकीपर माना जाता है।

दृष्टिकोण से टीम को फिर से मजबूत बनाने की उम्मीद कर रहा है। जाबी अलोंसो का कोचिंग करियर पिछले कुछ वर्षों में काफी चर्चा में रहा है। उन्होंने जर्मनी के क्लब बायर लेवरकुसेन के साथ शानदार सफलता हासिल की थी। अलोंसो की कोचिंग में टीम ने 2023-24 सत्र में बुडेसलीगा खिताब जीता था।

राजस्थान की हार की हैट्रिक, दिल्ली ने 5 विकेट से जीता मैच

राहुल-अभिषेक ने लगाए अर्धशतक



नई दिल्ली, 17 मई। दिल्ली ने अपने घरेलू मैदान पर राजस्थान को केएल राहुल और अभिषेक पोरेल की अर्धशतकीय पारी साथ ही मिचेल स्टार्क के फोर विकेट हॉल की मदद से राजस्थान को 5 विकेट से हरा दिया। दिल्ली के लिए जीत का छक्का आशुतोष शर्मा ने लगाया। ये राजस्थान की लगातार तीसरी हार रही। इस हार के बाद राजस्थान के प्लेऑफ में पहुंचने का इंतजार लंबा हो गया तो वहीं दिल्ली की उम्मीद अभी कायम है।

आईपीएल 2026 के 62वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच अरुण जेटली स्टेडियम, दिल्ली में मैच खेला गया। इस मुकाबले में दिल्ली ने टॉप जीता और पहले गेंदबाजी का फैसला किया।

राजस्थान ने पहले बॉटिंग करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 193 रन बनाए और दिल्ली को जीत के लिए 194 रन का लक्ष्य दिया।

वैभव ने खेली 46 रन की पारी, रियाज-ध्रुव के अर्धशतक

राजस्थान के ओपनर वैभव ने दिल्ली के खिलाफ 46 रन की पारी खेली जबकि यशस्वी जायसवाल ने 12 रन की पारी खेली। कप्तान रियाज पराम ने 23 गेंदों पर अर्धशतक लगाया और 51 रन बनाकर आउट हुए। रवि सिंह 4 रन बनाकर आउट हुए जबकि डोमोन फेरा अपना खाता भी नहीं खोल पाए। शुभम दुबे ने टीम के लिए सिर्फ 5 रन की पारी खेली जबकि वसुन शनका ने 10 रन बनाए। खूब जुरेल ने 36 गेंदों पर अर्धशतक लगाया और

ना इंजरी ना अनफिट फिर भी रविंद्र जडेजा हुए मैच से बाहर

नई दिल्ली, 17 मई। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियाज पराम ने कहा है कि कार्यभार प्रबंधन को देखते हुए दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ रविंद्र जडेजा को आराम दिया गया है। राजस्थान रॉयल्स के स्टार ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में नहीं खेल रहे हैं।

राजस्थान के कप्तान रियाज पराम ने टॉप के दौरान बताया कि रविंद्र जडेजा की जगह राजस्थान ने रवि सिंह को मौका दिया है। दिल्ली के लिए त्रिपुराना विजय डेब्यू मैच खेल रहे हैं। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने इंडियन प्रीमियर लीग के अहम मैच में रविवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ टॉप जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया।

वैभव सूर्यवंशी बन गए भारत के नए सिक्सर किंग

नई दिल्ली, 17 मई। रॉयल्स के ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल में छक्कों का एक नया रिकॉर्ड कायम कर दिया है। वह आईपीएल के एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। इस तरह वह अब भारत के लिए आईपीएल के नए सिक्सर किंग हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड उन्होंने तोड़ दिया है। वैभव के पास और भी आगे निकलने का मौका है।

आईपीएल के एक सीजन में भारतीय बल्लेबाज के तौर पर सबसे ज्यादा छक्के जड़ने का रिकॉर्ड अभी तक अभिषेक शर्मा के नाम दर्ज था, जो उन्होंने 2024 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलेते हुए बनाया था। अब वैभव सूर्यवंशी ने यह रिकॉर्ड धराशायी कर दिया है।

अभिषेक शर्मा ने एसआरएच के लिए 2024 में कुल 42 छक्के जड़े थे, जबकि वैभव सूर्यवंशी ने जैसे ही दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अरुण जेटली स्टेडियम में तीसरा छक्का अपनी पारी में लगाया, वैसे ही अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड टूट गया।

आईपीएल : धर्मशाला में आरसीबी की धमाकेदार जीत, पंजाब की लगातार छठी हार



धर्मशाला, 17 मई। हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के धर्मशाला स्टेडियम में खेले गए आईपीएल मुकाबले में आरसीबी ने पंजाब को उनके ही घर पर 23 रनों से मात दी है। धर्मशाला में पंजाब किंग्स इलेवन की यह लगातार तीसरी और इस सीजन में लगातार छठी हार है। इस हार के साथ ही पंजाब के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें भी न के बराबर रह गई हैं।

धर्मशाला में खेले गए इस मुकाबले में आरसीबी की शानदार ऑलराउंड परफॉर्मिस के चलते आरसीबी ने जीत हासिल कर टेबल पाईंट में अपनी टॉप पोजीशन बरकरार रखी है। वहीं प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर ली है। उधर 223 रनों के लक्ष्य को लेकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पंजाब की टीम रिकॉर्ड धराशायी कर दिया है।

अभिषेक शर्मा ने एसआरएच के लिए 2024 में कुल 42 छक्के जड़े थे, जबकि वैभव सूर्यवंशी ने जैसे ही दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अरुण जेटली स्टेडियम में तीसरा छक्का अपनी पारी में लगाया, वैसे ही अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड टूट गया।

ओपनर प्रियाश आर्य शून्य पर जबकि प्रभसिमरन सिंह महज 2 रन बनाकर आउट हो गए। पंजाब की ओर से शशांक सिंह ही एकमात्र बल्लेबाज रहे जिन्होंने अर्धशतक लगाया। शशांक ने 27 गेंदों में 4 चौके और 4 छक्कों के साथ 56 रन बनाए। इसके अलावा कूपर कनोली ने 22 गेंदों में 3 चौके और 3 छक्कों के साथ 37 रन बनाए। मारकस स्टार्निनिस ने 25 गेंदों में 37 और सूर्यांशु शेठगे ने 22 गेंदों पर 35 रनों की पारी खेली। कप्तान श्रेयस अय्यर कुछ खास नहीं कर पाए और महज एक रन बनाकर आउट हो गए। अजमातुल्लाह ओमार्जाई ने 10 गेंदों पर 14 रन बनाए।

गेंदबाजी में आरसीबी की ओर से आर सालम ने 3 विकेट आने नाम किये। इसके अलावा ऐसा सीजन में सबसे ज्यादा विकेट टेकर भुवनेश्वर कुमार ने दो तथा जोश हेजलवुड, सुयश शर्मा और रोमारियो शेफर्ड ने एक-एक विकेट लिए।

उधर इससे पूर्व पहले बल्लेबाजी करते पंजाब की शुरुआत बेहद खराब रही और उसके दोनो ओपनर जल्दी आउट हो गए।

निर्धारित 20 ओवरों में 4 विकेट पर 222 रनों के स्कोर खड़ा किया। आरसीबी की ओर से इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में टीम में शामिल वैकटेश अय्यर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 40 गेंदों में 73 रनों की नाबाद पारी खेलकर आरसीबी को एक बड़े स्कोर की तरफ ले गए। उन्होंने 8 चौके और 4 छक्कों की मदद से नाबाद 73 रन बनाए। वहीं इससे पूर्व ओपनर विराट कोहली ने भी अपना अर्धशतक बनाया। कोहली ने 37 गेंदों में 4 चौकों और 3 छक्कों के साथ 58 रन बनाए। जबकि उनके साथ तीसरे नम्बर पर बल्लेबाजी करने उतरे देवदत्त पडीकल ने भी 25 गेंदों में शानदार 45 रन बनाए। पडीकल ने इस पारी में 4 चौके और 3 छक्के लगाए। इसके बाद बल्लेबाज टिम डेविड और वेंकटेश अय्यर की शानदार साझेदारी के चलते आरसीबी ने निर्धारित 20 ओवरों में 222 रन का स्कोर खड़ा किया। टिम डेविड ने भी 12 गेंदों में 2 चौकों और 2 छक्कों के साथ नाबाद 28 रन बनाकर आरसीबी को 222 तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

ग्रीष्मकालीन फुटबॉल स्पोर्ट्स ट्रेनिंग कैंप 2026 का शुभारंभ



जयपुर, 17 मई। रविवार प्रातः 6:00 बजे जयपुर के रामनिवास बाग स्थित देश के प्राचीन यूनियन फुटबॉल क्लब, जयपुर (ट्रस्ट) द्वारा आयोजित एक माह के ग्रीष्मकालीन स्पोर्ट्स ट्रेनिंग कैंप 2026 का शुभारंभ क्लब सचिव महिपाल स्वामी के कर-कर्मलों द्वारा किया गया।

कैंप के आयोजक एवं क्लब समन्वयक अभिनव स्वामी ने जानकारी देते हुए बताया कि यूनियन फुटबॉल क्लब द्वारा प्रतिवर्ष इस एक माह के प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाता है, जिसमें बालक एवं बालिकाओं को फुटबॉल, कबड्डी, वेटलिफ्टिंग, पावरलिफ्टिंग, योग आदि खेलों का प्रशिक्षण अधिकृत एवं अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा प्रदान किया जाता है। यह एक प्रभावी प्रशिक्षण शिविर है, जिसका उद्देश्य बच्चों के शारीरिक विकास के साथ-साथ उनके मानसिक विकास को भी सुदृढ़ करना है। कैंप के दौरान प्रतिभागियों को पोष्टिक आहार के रूप में दूध, अंकुरित चने, सोयाबीन एवं केले उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

अल-नख्र को एशियाई फाइनल में बड़ा झटका, रोनाल्डो का खिताब जीतने का सपना चकनाचूर

नई दिल्ली, 17 मई। क्रिस्टियानो रोनाल्डो का सऊदी अरब में बड़ा खिताब जीतने का इंतजार खत्म होता नहीं दिख रहा है। एशियाई चैंपियंस लीग टू के फाइनल मुकाबले में अल-नख्र को जापान के गाम्बा ओसाका के खिलाफ 1-0 से हार का सामना करना पड़ा है। इस हार के बाद रोनाल्डो और उनकी टीम के लिए यह सप्ताह काफी निराशाजनक साबित हुआ है।

मौजूद जानकारी के अनुसार, फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा लेकिन गाम्बा ओसाका ने अनुशासित खेल और मजबूत रक्षा के दम पर मुकाबला अपने नाम कर लिया है। जापानी क्लब के लिए तुर्फु के फारवर्ड डेनिज हम्मत् ने पहले हाफ में मैच का एकमात्र गोल दागा, जिसने आखिर तक टीम को जीत दिलाई।

गौरतलब है कि अल-नख्र ने पूरे अर्धशतक में पेनल्टी बॉक्स के बाहर से शानदार नीचा शॉट लगाकर गेंद को गोलपोस्ट के कोने में पहुंचा दिया था। शुरुआत में ऑफसाइड को लेकर वीडियो सहायक रेफरी से जांच हुई, लेकिन बाद में गोल को मान्य कर दिया गया।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने भी बराबरी का गोल करने की पूरी कोशिश की थी। पहले हाफ के अंत में जोआओ फेलिक्स के क्रॉस पर



रोनाल्डो का हेडर गोलपोस्ट के बाहर चला गया। वहीं दूसरे हाफ में जोआओ फेलिक्स का तेज शॉट पोस्ट से टकरा गया, जिससे अल-नख्र को उम्मीदों को बड़ा झटका लगा। बताया जा रहा है कि मैच खत्म होने के बाद रोनाल्डो काफी निराश दिखाई दिए और उन्होंने उपविजेता पदक लेने से भी इनकार कर दिया है। यह हार इसलिए भी ज्यादा हम्मत् ने पेनल्टी बॉक्स के बाहर से शानदार पहले ही सऊदी प्रो लीग में अल-नख्र जीत के बेहद करीब पहुंच गया था, लेकिन अंतिम समय में गोल खाकर टीम की बहुत कमजोरी पड़ गई थी। डेनिज हम्मत्, जिन्होंने विजयी गोल किया, मैच के बाद काफी भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि टीम के लिए गोल करना उनके लिए गर्व की बात है और अब खिलाड़ी

इस जीत का जश्न मनाना चाहते हैं। हालांकि चोट के कारण उन्हें हाफ टाइम के बाद मैदान छोड़ना पड़ा था।

बाता दें कि दिसंबर 2022 में अल-नख्र से जुड़ने के बाद से रोनाल्डो अब तक क्लब के साथ कोई बड़ा अंतरराष्ट्रीय खिताब नहीं जीत सके हैं। हालांकि टीम के पास अभी भी सऊदी प्रो लीग जीतने का मौका बना हुआ है। अल-नख्र फिलहाल अल-हिलाल से दो अंक आगे चल रहा है और गुरुवार को दमाक के खिलाफ होने वाला मुकाबला खिताब को फैसला कर सकता है। फुटबॉल जानकारों का मानना है कि अल-नख्र के पास स्टार गोलकीपरों की कमी नहीं है, लेकिन बड़े मुकाबलों में टीम दबाव झेलने में संघर्ष करती दिखाई देती है।

राजस्थान जिम्नास्टिक्स संघ के चुनाव सम्पन्न

जयपुर, 17 मई। जिम्नास्टिक्स फेडरेशन ऑफ इण्डिया के पर्यवेक्षक ओ पी रानोटे, राजस्थान राज्य का आयोजन के पर्यवेक्षक, वाई बी सिंह तथा राजस्थान ऑलम्पिक संघ के पर्यवेक्षक चन्द्र प्रकाश जोशी के पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में कोटा में सम्पन्न हुए, राजस्थान राज्य जिम्नास्टिक्स संघ के निर्वाचित पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्य इस प्रकार हैं।

अध्यक्ष चैनसिंह राठी, उपाध्यक्ष विक्रम सिंह भाटी, अनुराग आर्य, हिम्मत् सिंह चौहान व कैलाश मुंदडा, सचिव परमेश्वर प्रजापत, कोषाध्यक्ष सुधीश कुमार शर्मा, सचिव हितेश मुद्गल, अरविन्द पराशर, राधाकिरण बेरवा, हरपाल सिंह व डॉ. भरत सिंह, सदस्य प्रदीप सिंह पंवार, डॉ. शक्ति सिंह रावलोत, जितेंद्र सिंह चौहान, हरिसिंह राठी, डॉ. डिम्पल सोलंकी व भंवरलाल गौरी।

डॉ शक्ति सिंह रावलोत, सचिव, जिला जिम्नास्टिक्स संघ जोधपुर ने बताया कि परमेश्वर प्रजापत पिछले तीन दशकों से जिम्नास्टिक्स से जुड़े हुए तथा राष्ट्रीय स्तर पर कार्यालय सचिव व कार्यकारिणी सदस्य आदि पदों को सुशोभित कर चुके हैं एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर कॉमनवेल्थ गेम्स 2010, सेंट्रल साउथ एशियन चैंपियनशीप, एशियाई आर्टिस्ट्स व रिक्रिक चैंपियनशीप आदि में भाग ले चुके हैं।

राजस्थान को मेघालय ने 3-0 से हराया

जयपुर, 17 मई। स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय जोशी के पर्यवेक्षकों की उपस्थिति में कोटा में सम्पन्न हुए, राजस्थान राज्य जिम्नास्टिक्स संघ के निर्वाचित पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्य इस प्रकार हैं।

अध्यक्ष चैनसिंह राठी, उपाध्यक्ष विक्रम सिंह भाटी, अनुराग आर्य, हिम्मत् सिंह चौहान व कैलाश मुंदडा, सचिव परमेश्वर प्रजापत, कोषाध्यक्ष सुधीश कुमार शर्मा, सचिव हितेश मुद्गल, अरविन्द पराशर, राधाकिरण बेरवा, हरपाल सिंह व डॉ. भरत सिंह, सदस्य प्रदीप सिंह पंवार, डॉ. शक्ति सिंह रावलोत, जितेंद्र सिंह चौहान, हरिसिंह राठी, डॉ. डिम्पल सोलंकी व भंवरलाल गौरी।

डॉ शक्ति सिंह रावलोत, सचिव, जिला जिम्नास्टिक्स संघ जोधपुर ने बताया कि परमेश्वर प्रजापत पिछले तीन दशकों से जिम्नास्टिक्स से जुड़े हुए तथा राष्ट्रीय स्तर पर कार्यालय सचिव व कार्यकारिणी सदस्य आदि पदों को सुशोभित कर चुके हैं एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर कॉमनवेल्थ गेम्स 2010, सेंट्रल साउथ एशियन चैंपियनशीप, एशियाई आर्टिस्ट्स व रिक्रिक चैंपियनशीप आदि में भाग ले चुके हैं।

पंत पर गिरेगी गाज? भारतीय टीम की टेस्ट उप-कप्तानी से छुट्टी लगभग तय!

नई दिल्ली, 17 मई। राष्ट्रीय चयनकर्ता जब अफगानिस्तान के खिलाफ श्रृंखला के लिए टेस्ट और एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय टीम चुनने के लिए मंगलवार को गुवाहाटी में बैठक करेंगे तो भारतीय टीम में हैरान करने वाले नाम नहीं होंगे लेकिन लाल गेंद के प्रारूप में उप कप्तान के तौर पर ऋषभ पंत के भविष्य पर गंभीर चर्चा हो सकती है। ऐसा समझा जाता है कि यह भावना बढ़ रही है कि 28 साल के इस तेजतर्रार विकेटकीपर बल्लेबाज को नेतृत्वकर्ता की भूमिका सपना नहीं आ रही है। आईपीएल में लखनऊ राउपर्स के साथ दो सत्र से ऐसे ही संकेत मिलते हैं।

हाथ नहीं भूलना चाहिए कि पिछले नवंबर में गुवाहाटी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच के दौरान शुभमन गिल की गैरमौजूदगी में जब पंत को कप्तानी सौंपी गई थी तो वह रणनीतिक तौर पर बहुत चतुर नहीं थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने नाम नहीं जाहिर करके की शर्त पर पीटीओ को बताया, "भारतीय क्रिकेट ऋषभ जैसे बल्ले से मैच विजेता को खोने का जोखिम नहीं उठा सकता। उन्होंने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से टेस्ट मैच जिताने हैं।

इनाया बनी रोबोफेस्ट वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 चैंपियन

जयपुर, 17 मई । 14 वर्षीय प्रतिभाशाली टीम लीडर इनाया खान ने अमेरिका के मिशिगन राज्य के साउथफील्ड स्थित लॉरेन्स टेक्निकल यूनिवर्सिटी में आयोजित प्रतिष्ठित रोबोफेस्ट वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए यूनियर बिर्डिंग ब्रिजेज डिवीजन में प्रथम स्थान प्राप्त कर वर्ल्ड चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है।

इनाया खान ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भूटान का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी टीम का आत्मविश्वास, उत्कृष्टता और उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता के साथ सफलतापूर्वक मार्गदर्शन किया। विश्व के कई अग्रणी देशों को पीछे संभाले हुए उनकी टीम ने यह ऐतिहासिक विजय दर्ज की।

यह उपलब्धि न केवल भूटान, बल्कि

आईपीएल 2026 में शुभमन गिल का बड़ा धमाका

कप्तान रहते हुए एक से ज्यादा बार 500 से अधिक रन बनाए

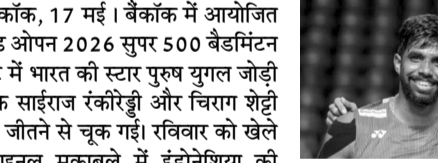
नई दिल्ली, 17 मई। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ हार के बावजूद गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने इस मुकाबले में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। इंडन गार्डंस में खेले गए मुकाबले में शुभमन गिल ने अपनी पुरानी टीम के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी करते हुए 49 गेंदों में 85 रन बनाए। इसके दौरान उन्होंने पांच चौके और सात लंबे छक्के लगाए और उनका स्ट्राइक रेट 173.47 का रहा है। बता दें कि इस पारी के साथ शुभमन गिल अब उन सुविंध कप्तानों की सूची में शामिल हो गए हैं जिन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग में कप्तान रहते हुए एक से ज्यादा बार 500 से अधिक रन बनाए हैं। इस सूची में पहले से डेविड वॉर्नर, विराट कोहली, सचिन तेंदुलकर और केएल राहुल जैसे बड़े नाम शामिल रहे हैं।

धर्मशाला में आईपीएल का 'महंगा रोमांच' 45 हजार तक बिके टिकट, आम दर्शक रह गए बाहर

धर्मशाला, 17 मई। आईपीएल मैचों के इस सीजन में जितना बड़ा मैच, उतनी ही बड़ी जेब दर्शकों को ढीली करनी पड़ रही है। धर्मशाला में आईपीएल मैचों के टिकटों की कीमतों में हुई भारी बढ़ोतरी का असर अब साफ तौर पर देखने को मिल रहा है। रविवार को पंजाब किंग्स और आरसीबी के मुकाबले में एक ओर जहाँ कई दर्शक महंगे टिकटों व टिकट न मिलने के कारण स्टेडियम पहुंचने में नाकाम रहे। वहीं दूसरी ओर मैच की एक पारी समाप्त होने के बाद भी 45 हजार रुपये तक के टिकट ऑनलाइन बिकते रहे। क्लब लॉज का जो टिकट 22 हजार 500 रुपये तक रहता है, इस मैच में दोगुना से अधिक 45 हजार दामों में बेचा गया। क्रिकेट प्रेमियों ने इसे आम दर्शकों की पहुंच से बाहर बताया।

इस बार एचपीसीए स्टेडियम में टिकटों के दामों में पिछले सीजन की तुलना में दोगुनी से अधिक बढ़ोतरी की गई है। पिछले वर्ष जिन टिकटों की कीमत 1200 से 1500 रुपये थी, वही टिकट अब चार से पांच हजार रुपये तक पहुंच गई हैं। वहीं क्लब लॉज के टिकट 22 हजार 500 रुपये से बढ़कर सीधे 45 हजार रुपये कर दिए गए हैं। जबकि अन्य टिकटों पांच हजार, सात हजार, आठ हजार, नौ हजार, 12 हजार, 15 हजार, 22 हजार, 30 हजार व सभी दोगुने दामों में बेची गई। क्रिकेट प्रेमियों का कहना है कि इतनी महंगी टिकटों के कारण परिवार के साथ मैच देखना मुश्किल हो गया है। कई लोगों ने ऑनलाइन टिकट बुकिंग शुरू होते ही दाम देखकर टिकट लेने का विचार छोड़ दिया। वहीं कई लोग टिकट को लेकर काफी मेहनत करते दिखे, लेकिन उन्हें टिकट नहीं मिल पाए।

थाईलैंड ओपन का खिताब जीतने से चूके सात्विक-चिराग



बैकॉक, 17 मई। बैकॉक में आयोजित थाईलैंड ओपन 2026 सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी खिताब जीतने से चूक गईं। रविवार को खेले हुए फाइनल मुकाबले में इंडोनेशिया की डेनियल मार्थिन और लियो कार्नाडो की जोड़ी ने भारतीय जोड़ी को सीधे गेमों में 21-12, 25-23 से हराकर ट्रांफ़ी अपने नाम कर ली।

बैकॉक के निमित्बुन्न स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में इंडोनेशियाई जोड़ी ने शुरुआत से ही आक्रामक रवैया अपनाया। मार्थिन और कार्नाडो ने तेज रफ्तार और सटीक खेल के दम पर भारतीय जोड़ी पर लगातार दबाव बनाए रखा। पहले गेम में सात्विक और चिराग कई मौकों पर लय में नजर नहीं आए और गलतियों का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा। इंडोनेशियाई खिलाड़ियों ने इसका पूरा फायदा उठाते हुए पहला गेम 21-12 से

भारतीय जोड़ी ने सेमीफाइनल में मलेशिया के गोह जे फेई और नूर इन्जुहीन को 19-21, 22-20, 21-16 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। हालांकि, खिताबी मुकाबले में उन्हें निराशा हाथ लगी और उनका खिताब का इंतजार जारी है।

सात्विक और चिराग ने दो साल से कोई बोडब्ल्यूएफ टूर खिताब नहीं जीता है। उनका आखिरी खिताब भी 2024 में थाईलैंड ओपन सुपर 500 में आया था।

मुश्किल नतीजा रहा- बीएआई भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की। बीएआई ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि थाईलैंड में दूसरा स्थान। लड़कों के लिए एनपीक क्षणों में इंडोनेशियाई जोड़ी ने संयम बनाए रखा। अंततः मार्थिन और कार्नाडो ने 25-23 से दूसरा गेम जीतकर मैच और खिताब दोनों अपने नाम कर लिए।

प्राप्त कर इनाया खान ने यह सिद्ध कर दिया है कि मजबूत इरादे, कड़ी मेहनत और बड़े सपने किसी भी लक्ष्य को साकार कर सकते हैं।

उनकी यह सफलता अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नवाचार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। आज इनाया खान भारत और भूटान- दोनों देशों के लिए आशा, सम्मान और नई पहचान का प्रतीक बन चुकी हैं।

उन्होंने आगे कहा कि इनाया खान ने भारत की संस्कृति और मूल्यों को जागरूक करते हुए तथा करोड़ों का प्रतिनिधित्व करते हुए जो सफलता अर्जित की है, वह आने वाले समय में दोनों देशों के युवाओं को विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

इनाया बनी रोबोफेस्ट वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 चैंपियन



भारत के लिए भी अत्यंत गर्व का विषय है। इतनी कम उम्र में विश्वस्तरीय मंच पर विजय

